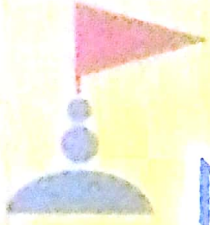


ISBN - 978-93-86810-04-5



# ॥ विश्वभाषा साहित्य और रामकथा ॥

अन्तरराष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी का कार्यवृत्त



संपादक  
डॉ. सरोज गुप्ता



वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन - फोटो कॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक / प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय दिल्ली ही मान्य होगा।

© संपादक अधीन

प्रथम संस्करण 2017

ISBN : 978-93-86810-04-5

पुस्तक में प्रकाशित शोध पत्रों में निहित विचार तथा संदर्भों का संपूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है। संपादक इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

मूल्य : 750/-

प्रकाशक : अनुज्ञा बुक्स, 1/10206, वेस्ट गोरख पार्क

शाहदरा, दिल्ली - 110 032 फोन : 011-22825424, 09350809192

Email : anuugyabooks@gmail.com

मुद्रक : स्वतंत्र कम्प्यूटर एण्ड प्रिंटेर्स

पांडे जी के सामने, इतवारी वार्ड, सागर (म.प्र.)

फोन : 07582-243728, 9981466528

Email : swatantra.computer@gmail.com

## अनुक्रमिका

|     |                                                                                                                                 |       |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
| 1.  | शुभकामना संदेश                                                                                                                  | x1    |
| 2.  | भूमिका                                                                                                                          | xiii  |
| 3.  | आमुख                                                                                                                            | xviii |
| 4.  | प्रतिवेदन                                                                                                                       | xix   |
| 5.  | वैदिक वाङ्मय में राम कथा का संदर्भ<br>आचार्य दुर्गाचरण शुक्ल                                                                    | 1     |
| 6.  | विश्व की विभिन्न भाषाओं में रामकथा-संदर्भ के अंतर्गत राम को सर्वप्रथम<br>गाया - बुन्देली और बुन्देलखण्ड ने<br>गुणसागर सत्यार्थी | 5     |
| 7.  | विश्व पटल पर रामकथा की व्याप्ति<br>हरिविष्णु अवस्थी                                                                             | 13    |
| 8.  | रामकथा की सांस्कृतिक यात्रा<br>डॉ. श्रीराम परिहार                                                                               | 19    |
| 9.  | रामकथा की पात्र कैकेयी<br>देवी नागरानी                                                                                          | 24    |
| 10. | रघुवीरा : रामायण की वैश्विक यात्रा<br>डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह                                                                 | 27    |
| 11. | आधुनिक संस्कृत साहित्य का मानक प्रबंध : साकेत सौरभ<br>डॉ. प्रभुदयाल मिश्र                                                       | 30    |
| 12. | निराला के अनन्य, शक्तिपूजक राम<br>डॉ. संध्या टिकेकर                                                                             | 34    |
| 13. | रामकथा के विश्व शोध-शिल्पी : फादर कामिल बुल्के<br>डॉ. चन्द्रकुमार जैन                                                           | 38    |
| 14. | युगीन चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में रामकथा<br>डॉ. कुलदीपसिंह फरे, प्रो. शाहजाद कुरैशी                                           | 43    |
| 15. | बुन्देली साहित्य में राम कथा<br>डॉ. बहादुर सिंह परमार                                                                           | 46    |
| 16. | निराला और राम की शक्ति पूजा<br>डॉ. उमा बाजपेयी                                                                                  | 56    |
| 17. | रामायण के लोकव्यापीकरण में जनसंचार माध्यमों की भूमिका : एक अध्ययन<br>डॉ. आशीष द्विवेदी                                          | 62    |

|     |                                                                                                                   |     |
|-----|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| 18. | उत्तररामचरितम् : सीतात्व का निदर्शन<br>आशुतोष मिश्र                                                               | 67  |
| 19. | रामचरित मानस – महाकाव्य या पौराणिक महाकाव्य<br>डॉ. श्रीमति रेवा चौधरी, डॉ. एस.पी. पचौरी                           | 73  |
| 20. | सीताया चरितम् महत्<br>डॉ. सरोज गुप्ता                                                                             | 77  |
| 21. | महाकवि तुलसी की विश्व-दृष्टि – रामकथा का संदर्भ<br>डॉ. रंजना मिश्रा                                               | 81  |
| 22. | सूर सागर की सीता का आदर्शमय स्वरूप<br>डॉ. छाया चौकसे                                                              | 86  |
| 23. | विश्व साहित्य के परिप्रेक्ष्य में रामकथा की प्रासंगिकता शासन व्यवस्था<br>के संदर्भ में<br>डॉ. श्रीमति राजेश जैन   | 93  |
| 24. | रामराज्य की संकल्पना : भारतीय राजनीति के परिप्रेक्ष्य में<br>डॉ. अर्चना गुप्ता                                    | 98  |
| 25. | राम काव्य परंपरा और साकेत<br>डॉ. कुमकुम गुप्ता                                                                    | 101 |
| 26. | राम कथा के विकास में जीव जंतुओं की भूमिका<br>डॉ. गोपा जैन                                                         | 104 |
| 27. | पं. ज्वालाप्रसाद द्वारा रचित कृति 'निर्वासिता' एक मार्मिक रचना है<br>डॉ. सुनीता आदर्श ज्योतिषी, डॉ. आशीष ज्योतिषी | 107 |
| 28. | राजनैतिक चिन्तन में रामराज्य की अवधारणा<br>डॉ. अनुपमा यादव                                                        | 120 |
| 29. | रामचरितमानस में पुरुषोत्तम श्री राम का चरित्र<br>डॉ. सरिता जैन                                                    | 124 |
| 30. | भारतीय समाज और राम का आदर्श<br>डॉ. यशेश्वरी ध्रुव                                                                 | 128 |
| 31. | समय के समाधान के कुशल राजनीतिक विचारक तुलसीदास<br>डॉ. वीणा शर्मा, डॉ. प्रतिभा जैन                                 | 132 |
| 32. | वैश्विक सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राम कथा<br>डॉ. श्रीमति रीता गुप्ता                                                | 138 |
| 33. | कौशल्या के राम, सचित्र जैन रामायण का वैशिष्ट्य<br>डॉ. रश्मि जैन                                                   | 142 |

|     |                                                                                                                                                       |     |
|-----|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| 34. | राम कथा और साकेत महाकाव्य<br>डॉ. ममता सिंह                                                                                                            | 147 |
| 35. | रामो विग्रहवान् धर्मः के साक्षात् प्रतिरूप श्रीराम<br>डॉ. संगीता सुहाने                                                                               | 153 |
| 36. | हिन्दी रामकाव्य परंपरा<br>डॉ. अंजली सिंह                                                                                                              | 156 |
| 37. | भारत में वंश परम्परा, सूर्यवंश एवं भगवान श्री रामचन्द्र जी, एक परिचय<br>डॉ. आशा गौतम                                                                  | 162 |
| 38. | जन जन के राम (विशेष संदर्भ - वर्तमान चुनौतियाँ)<br>डॉ. संध्या प्रसाद                                                                                  | 170 |
| 39. | राम काव्य परंपरा में श्री नरेश मेहता के राम : रामत्व की ऊर्ध्वयात्रा का<br>एक सोपान : प्रवाद पर्व (खण्डकाव्य) के विशेष सन्दर्भ में<br>डॉ. ज्योति सिंह | 175 |
| 40. | भारतीय समाज एवं संस्कृति और राम का चरित्र<br>डॉ. श्रीमती प्रवीण शर्मा                                                                                 | 181 |
| 41. | राम की शक्तिपूजा<br>डॉ. नीलिमेश वर्मा                                                                                                                 | 187 |
| 42. | वर्तमान की मूल्य चुनौतियाँ एवं राम कथा द्वारा समाधान -<br>एक निरपेक्ष अभिव्यक्ति<br>डॉ. विनय कुमार शर्मा                                              | 189 |
| 43. | तुलसी का लोकजागरण एवं रामायण की विश्व व्यापकता<br>डॉ. दिव्या गुरु                                                                                     | 193 |
| 44. | तुलसी के रामकाव्य में निहित समन्वय<br>डॉ. श्रीमती कमल चौरसिया, डॉ. के.के. दुबे, डॉ. राजू सेन                                                          | 199 |
| 45. | वैश्विक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में रामकथा<br>डॉ. अमित शुक्ला                                                                                            | 205 |
| 46. | रामराज्य की परिकल्पना वर्तमान परिदृश्य में सुशासन<br>डॉ. संगीता मुखर्जी                                                                               | 210 |
| 47. | उत्तर रामचरितम् में राम का द्वंद्व<br>डॉ. सत्या सोनी                                                                                                  | 214 |
| 48. | वेदों से मर्यादा की धारा ..... राम के राष्ट्रहित तक<br>(आधारभूत ग्रंथ रामायण)<br>डॉ. ख्याति बेलापुरकर                                                 | 218 |

|     |                                                      |     |
|-----|------------------------------------------------------|-----|
| 49. | रामकथा में वन उपवन का महत्त्व                        |     |
|     | डॉ. सुकदेव वाजपेयी                                   | 223 |
| 50. | हिन्दी में राम काव्य परंपरा : एक ऐतिहासिक अनुशीलन    |     |
|     | डॉ. भरत कुमार शुक्ला                                 | 226 |
| 51. | रामचरित मानस में रामराज्य का वर्णन                   |     |
|     | डॉ. अशोक कुमार पन्या                                 | 232 |
| 52. | रामायणकालीन अर्थशास्त्र एवं कल्याण की अवधारणा        |     |
|     | डॉ. प्रमेश गौतम                                      | 236 |
| 53. | मर्यादा एक सम्मान — श्रीराम                          |     |
|     | डॉ. अंकुर गौतम                                       | 243 |
| 54. | निराला के राम : साधारण मानव के धरातल पर              |     |
|     | डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय                                  | 247 |
| 55. | बुंदेली गीतों में रामकथा                             |     |
|     | अतुल कुमार श्रीवास्तव                                | 251 |
| 56. | संशय की एक रात : राम के चरित्र का नव्य रूपांतरण      |     |
|     | डॉ. संगीता सक्सेना                                   | 255 |
| 57. | संत शिरोमणि कबीर और गोस्वामी तुलसी का नाम निरूपण     |     |
|     | प्रो. राजन यादव                                      | 260 |
| 58. | आदिकाव्य रामायण में लोकतन्त्र की अवधारणा             |     |
|     | डॉ. किरण आर्या                                       | 271 |
| 59. | श्रीरामचरितमानस में पुरुषोत्तम श्रीराम का चरित्र     |     |
|     | रामानुज रघुवंशी                                      | 278 |
| 60. | रामराज्य की प्रासंगिकता — अर्थव्यवस्था के संदर्भ में |     |
|     | डॉ. अर्चना यादव                                      | 283 |
| 61. | वर्तमान की मूल्य चुनौतियों का रामकथा द्वारा समाधान   |     |
|     | डॉ. संगीता कुंभारे                                   | 288 |
| 62. | भक्ति तत्त्व और दक्षिण का राम भक्ति साहित्य          |     |
|     | डॉ. तृप्ति उकास                                      | 294 |
| 63. | रामकथा का कालजयी ग्रन्थ श्रीरामचरितमानस              |     |
|     | डॉ. घनश्याम भारती                                    | 299 |
| 64. | रामकथा की वर्तमान समय में प्रासंगिकता                |     |
|     | डॉ. अमर कुमार जैन                                    | 302 |
| 65. | भारतीय समाज और राम का आदर्श                          |     |
|     | डॉ. मालती दुबे (रावत)                                | 305 |

|     |                                                                                                   |     |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| 66. | हिन्दी में रामकाव्य परंपरा का प्रारंभ एवं विकास<br>डॉ. युवराज सिंह                                | 308 |
| 67. | निराला और राम की शक्ति पूजा<br>डॉ. बी.एल. अहिरवार                                                 | 313 |
| 68. | हिन्दी में रामकाव्य परम्परा<br>श्रीमति राजकिशोरी मिंज                                             | 317 |
| 69. | आधुनिक युग में रामकाव्य परंपरा (सातवे दशक तक)<br>डॉ. संतोष कुमार अहिरवार, डॉ. एच.एस. द्विवेदी     | 321 |
| 70. | सूर्यकांत त्रिपाठी निराला एवं राम की शक्ति पूजा<br>डॉ. किरण खरादी                                 | 327 |
| 71. | हिन्दी के ललित-निबंधों में राम और रामकथा का स्वरूप<br>डॉ. गजेन्द्र भारद्वाज                       | 331 |
| 72. | निराला और राम की शक्ति-पूजा<br>डॉ. अंशुबाला मिश्रा                                                | 340 |
| 73. | रामचरित मानस : सामाजिक, नैतिक एवं शैक्षणिक उत्थान<br>का सशक्त दस्तावेज<br>श्रीमति राशि गुप्ता     | 344 |
| 74. | राम भक्ति और काव्य परम्परा एक चिन्तन<br>डॉ. नम्रता जैन                                            | 347 |
| 75. | लोकगीतों में राम का स्वरूप<br>डॉ. आनन्दसिंह पटेल                                                  | 350 |
| 76. | रामकथा के माध्यम से संस्कारों का सृजन कर भारत में<br>राम राज्य की स्थापना<br>डॉ. नीरज केशरवानी    | 357 |
| 77. | श्री रामचरितमानस (अयोध्या काण्ड) में श्रीराम के आदर्शों का विश्लेषण<br>डॉ. (श्रीमती) जयती बिस्वास | 362 |
| 78. | वर्तमान की मूल्य चुनौतियाँ और रामकथा द्वारा समाधान<br>डॉ. बी.एन. जागृत                            | 365 |
| 79. | रामचरितमानस में पुरुषोत्तम राम का चरित्र<br>डॉ. उषा किरण गुप्ता                                   | 370 |
| 80. | निराला और राम की शक्ति पूजा<br>डॉ. अवधेश जैन                                                      | 374 |
| 81. | भारतीय समाज और राम का आदर्श<br>आरती धुर्वे                                                        | 378 |

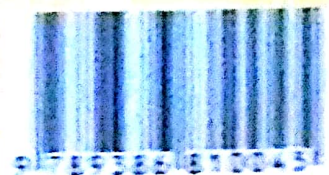
|     |                                                                                                                    |            |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| 82. | आध्यात्मरामायण के बाल काण्ड, अयोध्या काण्ड एवं अरण्य काण्ड में श्रीराम का उपदेशात्मक चरित्र<br>डॉ. नीलिमा उपाध्याय | 382<br>388 |
| 83. | पंचगव्य व संजीवनीकरण उपचार<br>डॉ. संजय जैन                                                                         | 390        |
| 84. | भारतीय समाज और राम का आदर्श<br>डॉ. अर्चना शर्मा                                                                    | 394        |
| 85. | रामायण कूटनीति एवं वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा संदर्भ<br>डॉ. भांगे चंद्रकांत बन्सीधर                               | 398        |
| 86. | श्रीराम का आदर्श चरित्र : श्रीरामचरितमानस ग्रंथ के संदर्भ में<br>डॉ. मनमोहन द्विवेदी                               | 401        |
| 87. | भारतीय हिन्दी गद्य-साहित्य में 'रामकाव्य' एवं विश्व की विभिन्न भाषाओं में 'रामकथा' के संदर्भ<br>ओकेन्द्र           | 406        |
| 88. | हिन्दी में राम काव्य परम्परा<br>डॉ. छविनम श्रीवास्तव                                                               | 409        |
| 89. | रामचरितमानस में पुरुषोत्तम श्रीराम का चरित्र<br>डॉ. सरिता कुशवाहा                                                  | 411        |
| 90. | रामकथा साहित्य और यात्रा पथ<br>श्रीमति भावना प्रदीप व्यास                                                          | 415        |
| 91. | वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लवकुश महाकाव्य का वात्सल्य वर्णन<br>डॉ. राजेश पाठक                                        |            |



**अनुज्ञा बुक्स**

दिल्ली-110032

ISBN



9789385810043

मुद्रक - सत्यम कम्प्यूटर प्रिंटिंग, नया  
दुहरा 07562-245728



Scanned with OKEN Scanner